education in all faculties, and they should also have facility of distance education. Most of the provisions of this Bill relate to governance and regulation of the university and based on the established patterns of Central universities. I hope that all the Members would support and welcome this Bill.

The question was proposed.

MEMBER SWORN

THE VICE-CHAIRMAN (MISS SAROJ KHAPARDE): May I take the permission of the House for those Members who have recently been elected from the State of Uttar Pradesh to take oath?

SOME HON. MEMBERS: Certainly.

SHRI MOHD. AZAM KHAN— (Uttar Pradesh).

उपसभाध्यक्ष (कुमारी सरोज खापर्डे): आज इस सदन में जिन हमारे नए सदस्यों ने अपनी सदस्यता की शपथ ग्रहण की है, उन सभी संसद् सदस्यों को मैं अपनी तरफ से और सदन की तरफ से बहुत-बहुत मुबारकवाद देती हूं और आशा करती हूं कि इस सदन की हर कार्यवाही में उन का सहयोग और योगदान रहेगा। आप सभी जानते हैं कि आप का कार्यकाल इस सदन की सदस्यता के नाते 6 साल का रहेगा। मैं आप के कार्यकाल के लिए तहेदिल से ऐसी सद्इच्छा व्यक्त करती हूं कि आप की सदस्यता इस कार्यकाल में सदन की दृष्टि से कामयाब रहेगी।

THE MAULANA AZAD NATIONAL URDU UNIVERSITY BILL, 1995— Contd,

SHRI S.R. BOMMI: Madam, I beg to move that the Bill to establish and incorporate a teacning University for the promotion and development of Hindi language and literature.....*(Interruptions)*...

THE LEADER OF OPPOSITION SHRI SIKANDER BAKHT: Both the Bills cannot be discussed simultaneously ...*(Interruptions)*....

THE VICE-CHAIRMAN (MISS SAROJ KHAPARDE): Mr. Minister, I think....*(Interruptions)*...

SHRI S.R. BOMMAI: I was given to understand that both these Bills would be discussed together. ....*(Interruptions)*...

SHRI SIKANDER BAKHT: They cannot be discussed simultaneously...*(Interruptions)*....They are totally different Bills.

THE VICE-CHAIRMAN (MISS SAROJ KHAPARDE): Mr. Minister, there are five Members who would like to speak on this Bill....*Interruptions)*....

SHRI S.R. BOMMAI: But, I was given to understand that both these Bills would be taken up together ....*(Interruptions)*...

THE VICE-CHAIRMAN (MISS SAROJ KHAPARDE): I think both these Bills cannot be taken up together. Therefore, I would request hon. Member, Shri Sikander Bakht, to speak.

श्री सिकन्दर बख्त: सदर साहिबा, "कुफ्र टूटा खुदा-खुदा कर के।" मौलाना आजाद को भी आखिर को याद किया गया।

मैं जानता हूं कि मौलाना के नाम से एक मेडिकल कॉलेज देहली में चल रहा है और एक इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूट भोपाल में चल रहा है, लेकिन मेरी शिकायत यह है कि मौलाना को मौलाना के शायान-ए-शान याद नहीं किया गया है इस मुल्क में। जाहिर है कि मैं इस बिल की ताईद में खड़ा हुआ हूं इस का सपोर्ट करने के लिए खड़ा हुआ हूं लेकिन बहुत सारी बातें बिल पढ़ने से मेरी समझ में नहीं आई। मैं एक-एक कर के क्योंकि मुझे बताया गया कि सिर्फ एक घंटा दिया गया है...

मैं कोशिश करूंगा कि जल्दी से जल्दी अपनी बात पूरी करूं।

सबसे बड़ी बात यह है, सदर साहिबा, कि सेटिंग अप द यूनिवर्सिटी की बात तो कर ली गई है, उसके एम्स और ओब्जेक्टस का भी जिक्र किया गया है, लेकिन वह एम्स और ओब्जेक्टस हासिल कैसे किए जाएंगे, उसका कोई जिक्र कहीं नहीं है। इसमें जो ओब्जेक्ट्स लिखे गए हैं, उसमें कहीं जाहिर नहीं होता, कहीं नामोनिशान नजर नहीं आता कि आखिर उसके जो